Publication Date 01.06.2025
Postal Registration No. G/CHD/0096/2024-26
Registrar of Newspapers of India
Regd. No. 46809/70 I Total Pages 32
Posted at MBU Chandigarh 1st of Every Month

# हरियाणा सहकारी प्रकाश

## Haryana Sahkari Parkash

International Year of Cooperatives 2025
Cooperatives Build a Better World

वर्ष : 56 | अंक 06 | 1 जून, 2025 | वार्षिक मूल्य : 500/- | प्रति कापी : 50/-

**हरियाणा की पहचान**

**संत महापुरूषों का सम्मान**

HARCOFED

Bays No. 49-52, Sector - 2, Panchkula
https://www.harcofed.org.in
harcofed@ymail.com

International Year of Cooperatives
भारत की सहकारिता एक विचार से एक आंदोलन बनी, आंदोलन से क्रांति बनी, और आखिर में सशक्तिकरण का माध्यम बनी।
भारत के लिए सहकारिता संस्कृति का आधार और जीवन पद्धति है।
श्री नरेंद्र मोदी
माननीय प्रधानमंत्री
Scan to follow
@minofcooperatn
www.cooperation.gov.in

आज 300 से ज्यादा योजनाएं PACS के कम्प्यूटर पर लोगों के लिए उपलब्ध हैं।
अब रेल टिकट बुकिंग, बिजली और पानी के बिल का भुगतान, तथा जन्म प्रमाण-पत्र जैसी सुविधाओं के लिए किसी को गांव के बाहर जाने की जरुरत नहीं है।
श्री अमित शाह
माननीय केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री

# हरियाणा सहकारी प्रकाश

मुख्य संरक्षक
आशिमा बराड़, भा.प्र.से.
आयुक्त एवं सचिव,
सहकारिता विभाग, हरियाणा

संरक्षक
राजेश जोगपाल, भा.प्र.से.
रजिस्ट्रार सहकारी समितियां,
हरियाणा

मुख्य सम्पादक
नरेश गोयल
प्रबन्ध निदेशक, हरकोफैड

सम्पादक
सौरव शर्मा

## सुविचार

"जब तक जीना, तब तक सीखना"
अनुभव ही जगत में सर्वश्रेष्ठ शिक्षक है।
—स्वामी विवेकानन्द

'हरियाणा सहकारी प्रकाश' में प्रकाशित लेखकों के विचारों के साथ हरकोफैड का सहमत होना आवश्यक नहीं है। यह लेखकों के अपने विचार हैं।

**हरियाणा सहकारी प्रकाश की विज्ञापन दरें :–**

| क्र.सं. | विवरण प्रति प्रकाशन | रुपये |
|---|---|---|
| 1. | पूरा पृष्ठ टाईटल रंगीन | 30000/- |
| 2. | पूरा पृष्ठ रंगीन | 20000/- |
| 3. | पूरा पृष्ठ श्याम–श्वेत | 12000/- |
| 4. | आधा पृष्ठ श्याम–श्वेत | 6000/- |

## इस अंक में पढ़िए

सम्पादकीय 4

सरकार डेयरी क्षेत्र के लिए स्थापित करेगी तीन बहु–राज्य सहकारी समितियां : शाह 5

रोहतक के पहरावर गांव में मनाया गया राज्य स्तरीय भगवान परशुराम जन्मोत्सव 6–9

हरियाणा के जैविक किसानों को जैविक उत्पादों का वास्तविक लाभ देने के लिए किया गया संयुक्त बैठक का आयोजन 10

दी झज्जर केंद्रीय सहकारी बैंक के वरिष्ठ लेखाकार एस. एन. कौशिक 33 वर्षीय सेवाकाल के उपरांत हुए सेवानिवृत्त 11

पूरे देश को अपनी सेना पर गर्व है: डॉ. अरविंद शर्मा' 12

हरियाणा राज्य सहकारी कृषि एवं ग्रामीण विकास बैंक के नवनियुक्त उपाध्यक्ष राम जतन गुर्जर डमौली ने संभाला कार्यभार 13

हरियाणा को उसका जल अधिकार मिलना चाहिए 14

कृषि संकल्प अभियान में किसानों को दी स्मार्ट खेती की जानकारी 15

Revitalizing Member Engagement and Cooperative Democracy in PACS 16-18

सेवा–निवृति 18

समिति "दी किसान भारती सहकारी बहुउद्देशीय समिति लि. लाडवी" की सफलता की कहानी। 19

सामाजिक विकास में सक्रिय भूमिका निभाएं सहकार – उपयुक्त विश्राम कुमार मीणा 20

"अमृत काल में हिंदी और अन्य भारतीय भाषाओं की परस्पर सहभागिता" 21

अन्तर्राष्ट्रीय सहकारी वर्ष 2025 के अन्तर्गत कृषि क्षेत्र में ड्रोन की उपयोगिता पर कार्यक्रम 22

मृदा परीक्षण कार्यक्रम –किसान सभा, गाँव गुल्लरवाला 23

मोटा अनाज है अच्छे स्वास्थय की कुंजी 24–26

ग्रीष्मकालीन मूंग एक–फायदे अनेक 27–28

57th Session of Diploma in Cooperative Management (DCA) 29

'पुकार' 30

विज्ञापन 31

**E-MAIL**
harcofed@ymail.com
harcopress@gmail.com

**Website**
https://www.harcofed.org.in

सम्पादकीय

# आजीविका के बेहतर साधन सहकारी उद्यम

सहकारी क्षेत्र नागरिक को आजीविका उपार्जन के साथ सम्मानजनक जीवन जीने का अधिकार प्रदान करता है। आज देश में सबसे अधिक रोजगार सहकारिता क्षेत्र ही दे रहा है। युवाओं को चाहिए कि वे सहकारी क्षेत्र में सहकारी समितियां बना कर फूड प्रोसेसिंग यूनिट, मशरूम फार्म, मत्स्य पालन, डेयरी व्यवसाय इत्यादि से सम्बन्धित उद्यम स्थापित कर खुद की आजीविका के साथ–साथ उद्यम में अन्य लोगों के लिए भी रोजगार के अवसर पैदा करें।

प्रदेश में विभिन्न क्षेत्रों के अनेक सफल सहकार अपने कार्य का अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं जो हमारे लिए उदाहरण के रूप में विद्यमान हैं। इसके अतिरिक्त युवा आधुनिक कृशि तकनीक को अपनाकर अपनी आय भी बढ़ा सकते हैं।

सहकारी समितियों के योगदान से देश में श्वेत क्रांति आई, जिससे आज अमूल, वीटा, वेरका, पराग जैसी संस्थाएं देश की अर्थव्यवस्था में महत्वपूर्ण योगदान दे रही हैं। हरियाणा में सहकारी डेयरी विकास प्रसंघ लिमिटेड के वीटा ब्रांड के उत्पाद ग्राहकों में अत्यधिक लोकप्रिय बने हुए हैं। डेयरी प्रसंघ द्वारा शुद्धता के प्रतीक वीटा उत्पाद की बिक्री के लिए महत्वपूर्ण स्थानों पर वीटा बूथ खोले हुए हैं। इस से डेयरी व्यवसाय को बढ़ावा मिलने के साथ ही सहकारों की आय में व्यापक सुधार होता है।

इसी प्रकार हरियाणा राज्य सहकारी आपूर्ति एवं विपणन प्रसंघ लि0 द्वारा सहकारी क्षेत्र में हैफेड ब्रांड के उत्पाद तैयार करके देश व प्रदेश की अर्थव्यवस्था में महत्वपूर्ण योगदान दिया जा रहा है। हैफेड के लोकप्रिय उत्पादों की बिक्री को बढ़ावा देने के लिए बिक्री केन्द्रों की स्थापना की गई है। इसके अतिरिक्त देश के एन.सी.आर. और ट्राईसिटी में हैफेड के और अधिक फ्लैगशिप स्टोर खोले जाने पर भी कार्य किया जा रहा है ताकि सहकारी उद्यम को बढ़ावा मिलने के साथ–साथ लोगों को बेहतर उत्पाद उपलब्ध करवाएं जाते रहें। **हैफेड के उत्पाद विदेशी ग्राहकों में भी लोकप्रिय हैं।**

युवाओं को सहकारी उद्यमिता के मार्फत प्रधानमन्त्री की मेक इन इंडिया योजना के तहत लघु एवं कुटीर उद्योगों की स्थापना को बढ़ावा देना चाहिए। इससे युवाओं को रोजगार उपलब्ध होने के साथ ही उत्पादक किसानों और वितरकों का समान रूप से भला होगा।

# सरकार डेयरी क्षेत्र के लिए स्थापित करेगी तीन बहु–राज्य सहकारी समितियां : अमित शाह

## पशुचारा, गोबर प्रबंधन और मृत मवेशियों के अवशेषों के उपयोग पर होगा ध्यान

केन्द्र सरकार पशु चारा, गोबर प्रबंधन और मृत मवेशियों के अवशेषों के सर्कुलर उपयोग पर ध्यान आकर्षित करते हुए डेयरी क्षेत्र के लिए तीन नई बहु–राज्य सहकारी समितियां स्थापित करेगी। सहकारी डेयरी क्षेत्र में स्थिरता पर बैठक में सहकारिता मंत्री अमित शाह ने कहा कि हमारे लक्ष्य एक ऐसा स्थायी डेयरी पारिस्थितिकी तंत्र बनाना होना चाहिए जो सर्कुलर अर्थव्यवस्था को बढ़ावा दे।

अमित शाह ने कहा, जैसा कि हम श्वेत क्रांति 2.0 की ओर बढ़ रहे हैं,हमारा लक्ष्य न सिर्फ डेयरी सहाकरी समितियों का विस्तार करना और कुशल और प्रभावी बनाना होना चाहिए, बल्कि डेयरी का एक ऐसा पारिस्थितिकी तंत्र बनाना भी होना चाहिए जो टिकाऊ हो। पहली सहकारिता समिति पशु आहार उत्पादन, रोग नियंत्रण और कृत्रिम गर्भाधान पर काम करेगी। दूसरी, समिति गोबर प्रबंधन के मॉडल विकसित करेगी और तीसरी मृत पशुओं के अवशेषों के सर्कुलर उपयोग को बढ़ावा देगी।

सहकारिता ग्रामीण विकास का मूल मंत्र :– शाह ने कहा, सहकारिता ग्रामीण विकास का मूल मंत्र है और सहकारी डेयरी क्षेत्र इसका उत्कृष्ट उदाहरण है, जो लाखों ग्रामीण परिवारों के लिए आजीविका का एक महत्वपूर्ण स्त्रोत प्रदान करता है। डेयरी सहकारी समितियां दूध उत्पादन और विपणन से भारतीय डेयरी क्षेत्र में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं।

# रोहतक के पहरावर गांव में मनाया गया राज्य स्तरीय भगवान परशुराम जन्मोत्सव

**गौड़ ब्राह्मण विद्या प्रचारिणी सभा को मैचिंग ग्रांट देने की घोषणा**

**प्रदेश में किसी एक बड़े पार्क का नाम भगवान परशुराम के नाम पर रखा जाएगा**

**समाज की संस्था को 51 लाख रुपये देने की भी की घोषणा**

**कैथल में मेडिकल कॉलेज का नाम भगवान परशुराम के नाम पर रखा गया**

**भगवान परशुराम पराक्रमी योद्धा, वेदों के ज्ञाता और महान समाज सुधारक थे**

**नायब सिंह सैनी, मुख्यमंत्री, हरियाणा**

चंडीगढ़, 30 मई – हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने गांव पहरावर में गौड़ ब्राह्मण विद्या प्रचारिणी सभा को कैंपस–III के शिक्षण संस्थानों के निर्माण कार्यों हेतु प्रदेश सरकार की ओर से मैचिंग ग्रांट देने की घोषणा की। उन्होंने कहा कि जितना पैसा समाज इन संस्थानों के लिए एकत्रित करेगा, उससे ज्यादा की राशि हरियाणा सरकार द्वारा मैचिंग ग्रांट के रूप में प्रदान की जाएगी। इसके अतिरिक्त, प्रदेश में किसी एक बड़े पार्क का नाम भगवान परशुराम के नाम पर रखा जाएगा।

मुख्यमंत्री ने ये घोषणाएं जिला रोहतक के गांव पहरावर में भगवान परशुराम की जयंती के उपलक्ष्य में आयोजित राज्य स्तरीय समारोह के दौरान की। इस मौके पर मुख्यमंत्री ने समाज की संस्था को 51 लाख रुपये देने की घोषणा की। उन्होंने कहा कि समाज द्वारा रखी गई अन्य मांगों को भी विभागों को भेजकर उनकी फिजिबिलिटी चौक करवाकर प्राथमिकता के आधार पर पूरा करने का काम किया जाएगा।

इससे पहले, मुख्यमंत्री ने 61 करोड़ 23 लाख रुपये लागत की कुल 9 परियोजनाओं का उद्घाटन एवं शिलान्यास किया। इनमें 54 करोड़ 26 लाख रुपये लागत की 5 परियोजनाओं का शिलान्यास तथा 6 करोड़ 97 लाख रुपये लागत की 4 परियोजनाओं का उद्घाटन शामिल है।

श्री नायब सिंह सैनी ने भगवान परशुराम जयंती, सिख गुरु अर्जन देव जी के शहीदी दिवस और अरूट महाराज की जयंती पर उन्हें नमन करते हुए कहा कि सभी महापुरुषों ने धर्म की स्थापना, सामाजिक

एकता, सद्भाव और संस्कृति के लिए अपना संपूर्ण जीवन समर्पित किया। इनकी जीवनयात्रा हम सभी को सदा धर्म पथ पर चलने और मानवता की सेवा के लिए प्रेरित करती रहेंगी।

## भगवान परशुराम पराक्रमी योद्धा, वेदों के ज्ञाता और महान समाज सुधारक थे

भगवान परशुराम को पराक्रमी योद्धा, वेदों के ज्ञाता और एक महान समाज सुधारक बताते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि वे ऐसे महान योद्धा थे, जिन्होंने ब्राह्मण होते हुए भी शस्त्र धारण कर अन्याय और अधर्म का नाश किया। भगवान परशुराम जी का जीवन हमें यही संदेश देता है कि ज्ञान और बल का संतुलन ही समाज को सही दिशा में आगे ले जाता है। उन्होंने कहा कि हरियाणा की भूमि वीरता, विद्या और परंपरा की जननी रही है। भगवान परशुराम जी ने कहा था कि धर्म की रक्षा के लिए यदि शस्त्र भी उठाना पड़े तो वह भी तपस्या का ही एक रूप है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि आज जब हम प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में विकसित भारत – विकसित हरियाणा बनाने के संकल्प के साथ आगे बढ़ रहे हैं तो भगवान परशुराम जी के आदर्श और उनके संदेश हमें सही मार्ग पर चलने की प्रेरणा देते हैं। उन्होंने कहा कि आज जब हम विकसित भारत, डिजिटल इंडिया, स्टार्टअप इंडिया जैसे महत्त्वाकांक्षी अभियान आगे बढ़ा रहे हैं, तो हम सभी को भगवान परशुराम के संकल्प के समान दृढ़ प्रण लेकर भारत को पुनः विश्वगुरु बनाने में अपना योगदान देना चाहिए।

## भगवान परशुराम की प्रेरणा से प्रधानमंत्री के नेतृत्व में जांबाज सैनिकों ने पाकिस्तान में आतंकी ठिकानों को किया ध्वस्त

श्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि भगवान परशुराम ने किसी निजी स्वार्थ के लिए नहीं, बल्कि समाज हित में, धर्म की रक्षा के लिए, अन्याय का नाश किया। इसी प्रेरणा के साथ प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में हमारी सेनाओं ने पहलगाम की निंदनीय घटना के बाद ऑपरेशन सिंदूर के तहत टारगेट तरीके से किसी आम व्यक्ति को नुकसान न पहुंचाते हुए पाकिस्तान में जहां आतंकवाद पनपता था, उन ठिकानों को मिट्टी में मिलाने का काम किया है। प्रधानमंत्री का स्पष्ट संदेश है कि कोई हमें छेड़ेगा, तो हम उसको नहीं छोड़ेंगे।

## कैथल में मेडिकल कॉलेज का नाम भगवान परशुराम के नाम पर रखा गया

प्रदेश सरकार द्वारा ब्राह्मण समाज के कल्याण एवं उत्थान के लिए किए जा रहे विभिन्न कार्यों का उल्लेख करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि भगवान परशुराम जी की शिक्षाओं और आदर्शों से नई पीढ़ियों को प्रेरित करने के लिए कैथल में मेडिकल कॉलेज का नाम भगवान परशुराम के नाम पर रखा है। इसके अलावा, सरकार ने भगवान परशुराम के जन्मोत्सव पर राजपत्रित अवकाश का प्रावधान किया है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने पहरावर गांव में 2013 से चले आ रहे गौड़ ब्राह्मण कॉलेज की जमीन के विवाद को भी सुलझाया है। गौड़ ब्राह्मण आयुर्वेद कॉलेज में बीएमएस की 100 सीटों को भी मंजूरी दी और इसकी कक्षाएं भी शुरू हो गई। भगवान परशुराम के नाम पर सरकार ने डाक टिकट भी जारी किया है। इसके अलावा, करनाल में ब्राह्मण धर्मशाला के लिए जमीन आवंटित की है।

उन्होंने युवाओं से आह्वान किया कि वे अपने

भीतर निहित भगवान परशुराम जी के साहस और सेवा के गुणों को पहचानें और उन्हें जागृत करते हुए विकसित भारत और विकसित हरियाणा के निर्माण में अपना योगदान दें।

## ब्राह्मण समाज का उद्देश्य है नैतिकता और उच्च आदर्श स्थापित करना – डॉ अरविंद शर्मा

सहकारित और विरासत एवं पर्यटन मंत्री डॉ अरविंद शर्मा ने कार्यक्रम में पहुंचने पर मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी का स्वागत करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री किसानों, मजदूरों, गरीबों के हितैषी और 36 बिरादरी के नेता हैं। उन्होंने कहा कि ब्राह्मण सभी समाज के लिए होते हैं, इसलिए आज के इस कार्यक्रम में सर्व समाज के लोगों

की भागीदारी हुई है। उन्होंने कहा कि ब्राह्मण का मुख्य काम समाज में नैतिकता के स्तर को ऊंचा उठाना और भारत की परम्पराओं में ऊंचे आदर्शों को स्थापित करना रहा है। भगवान श्री परशुराम जी इस बात का श्रेष्ठ उदाहरण हैं। उन्होंने कहा कि आज जिस स्थान पर यह कार्यक्रम हो रहा है, इसकी भव्यता और बढ़ गई है और इस परिसर में भगवान परशुराम जी की भव्य प्रतिमा स्थापित की जाएगी। इसके अलावा, उन्होंने मुख्यमंत्री के समक्ष समाज की अन्य मांगों को भी रखा।

## भगवान परशुराम महान योद्धा, सनातन धर्म और संस्कृति के रक्षक थे– मोहन लाल कौशिक

भाजपा प्रदेशाध्यक्ष श्री मोहन लाल कौशिक ने भगवान परशुराम को नमन करते हुए कहा कि भगवान परशुराम जी न केवल एक महान योद्धा थे, बल्कि वे सनातन धर्म और संस्कृति के रक्षक भी थे। उन्होंने अन्याय और अधर्म के खिलाफ आवाज उठाई और समाज में समानता व न्याय की स्थापना की। उनकी शिक्षाएं आज भी प्रासंगिक हैं और युवा पीढ़ी के लिए प्रेरणादायक हैं। उन्होंने पूर्व मुख्यमंत्री श्री मनोहर लाल का धन्यवाद किया जिन्होंने विवादित जमीन का समाधान किया। उन्होंने कहा कि यहां पर बनने वाले शिक्षण संस्थान में 36 बिरादरी के बच्चों को शिक्षा का लाभ मिलेगा और यह प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के विकसित भारत के संकल्प की दिशा में एक अहम कदम है।

इस अवसर पर कैबिनेट मंत्री श्री कृष्ण लाल पंवार, श्री महीपाल ढांडा, श्री रणबीर गंगवा, राज्य मंत्री श्री गौरव गौतम सहित अन्य गणमान्य अतिथि मौजूद रहे।

# हरियाणा के जैविक किसानों को जैविक उत्पादों का वास्तविक लाभ देने के लिए किया गया संयुक्त बैठक का आयोजन

माननीय केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह के कुशल नेतृत्व में सहकारिता मंत्रालय "सहकार से समृद्धि" के अपने लक्ष्य को प्राप्त करने की दिशा में दिन–प्रतिदिन आगे बढ़ रहा है।

इसी क्रम में, हरियाणा के जैविक किसानों को उनके जैविक उत्पादों का वास्तविक लाभ सुनिश्चित कराने के उद्देश्य से माननीय केंद्रीय सहकारिता राज्यमंत्री श्री कृष्णपाल गुर्जर एवं हरियाणा सरकार के माननीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री श्री श्याम सिंह राणा की संयुक्त बैठक हुई।

बैठक के दौरान, यह निर्णय लिया गया कि हरियाणा सरकार का कृषि एवं किसान कल्याण विभाग, नेशनल कोऑपरेटिव ऑर्गेनिक्स लिमिटेड (NCOL) को हर संभव सहयोग प्रदान करेगा, जिससे वह हरियाणा के जैविक किसानों से जुड़कर उनकी उपज को "भारत ऑर्गेनिक्स" ब्रांड से जोड़ देश और दुनिया के व्यापक बाजारों तक पहुँचा सके।

इस बैठक में डॉ. राजा शेखर वुंद्रू, अतिरिक्त मुख्य सचिव, हरियाणा सरकार श्री दिनेश कुमार वर्मा, संयुक्त सचिव, सहकारिता मंत्रालय श्री विपुल मित्तल, एमडी, एनसीओएल श्री राज नारायण कौशिक, निदेशक, कृषि एवं किसान कल्याण विभाग, हरियाणा सरकार के साथ अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

# दी झज्जर केंद्रीय सहकारी बैंक के वरिष्ठ लेखाकार एस. एन. कौशिक 33 वर्षीय सेवाकाल के उपरांत हुए सेवानिवृत्त

## डॉ अरविंद शर्मा, कैबिनेट मंत्री हरियाणा सरकार द्वारा श्री कृष्ण यादव भवन के सौन्दर्यकरण हेतु पांच लाख रूपए अनुदान राशि देने की घोषणा की।

झज्जर, 30 अप्रैल, अभीतकरू– दी झज्जर केंद्रीय सहकारी बैंक लि० झज्जर में वरिष्ठ लेखाकार पद पर कार्यरत श्री एस एन कौशिक अपनी 33 वर्षीय सेवाकाल के उपरांत आज सेवानिवृत्त हो गए। जिला झज्जर के गठन के बाद, बैंक के अलावा उपायुकत, अतिरिक्त उपायुक्त, उपमंडल अधिकारी ना कार्यालय बहादुरगढ़, झज्जर व बेरी के साथ चुनाव कार्यालय में लगातार 28 वर्षों तक अपनी सेवा के साथ अलग पहचान बने कौशिक एक मिसाल है। 2013 में उनके द्वारा हरियाणा दिवस पर राष्ट्रीय टी वी चौनल परिचर्चा व विश्व व्यापार मेले में उनके दिशा निर्देशन में निर्मल भारत अभियान पर बनी फिल्म, कहानी एक गांव की पलड़ा झज्जर को लगातार दिखाया गया। 04 बार बैंक, 14 बार जिला प्रशासन व अनेकों बार ग्राम पंचायत और सामाजिक संस्थाओं द्वारा पुरस्कारित किया गया। लोकसभा, विधानसभा, नगरपालिका व ग्राम पंचायत चुनावों में इनकी कार्यशैली अति सहरानीय रही है। जिला प्रशासन, बैंक व जनसभाओं में इनके मंच संचालन शैली का कोई जोड़ नहीं है। विभिन्न सामाजिक संस्थाओं व संगठनों द्वारा दिनांक 28 अप्रैल, 2025 को श्रीकृष्ण यादव भवन, सिलानी गेट झज्जर में श्री नारायण कौशिक के सम्मान में आयोजित रिटायरमेंट सम्मान समारोह में पहुंचे हजारों लोगों को संबोधित करते हुए मुख्यातिथि डां अरविंद शर्मा जी, सहकारिता मंत्री हरियाणा सरकार द्वारा कौशिक की कार्य शैली को सर्वश्रेष्ठ बताया और श्रेष्ठ जन सेवक की उपाधि से नवाजा और उनकी लेखनशैली सम सामयिक व विषय वस्तु का सारगर्भित चित्रण बताया। इस विदाई समारोह के अवसर पर उन्हें पगड़ी, चद्दर, नोटों की मालाओं, स्मृति चिन्हों से नवाजा गया। कार्यक्रम में जिला परिषद, झज्जर, नगरपरिषद झज्जर, नगरपालिका बेरी के चेयरमैन, जिला प्रशासन के अधिकारीगण, हरीश कौशिक चेयरमैन सी० बी० रोहतक, झज्जर बैंक के निदेशक मंडल संस्थाओं, सभाओं के प्रतिनिधियों, सहकर्मियों और परिजनों ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। बैंक द्वारा आज विधिवत सेवा निवृत्त करते हुए उनकी दीर्घायु, अच्छे स्वास्थ्य व उज्जवल भविष्य की कामना करते हुए कहा कि इनकी सेवाओं का सदैव स्मरण किया जाएगा। श्रीनारायण कौशिक ने सबका आभार व्यक्त करते हुए उनके द्वारा लिखित गीता सार – ठेठ हरियाणवी में की वितरण किया।

# पूरे देश को अपनी सेना पर गर्व है: डॉ. अरविंद शर्मा'

## 'आतंकवाद का समूल नाश भारत सरकार का संकल्प'

## 'सेना की कार्रवाई ने दिखाई भारत की ताकत, आतंकवाद के खिलाफ देश एकजुट'

## 'ऑपरेशन सिंदूर पर डॉ. शर्मा की प्रतिक्रिया, भारत के विरुद्ध आंख उठाने वालों को बख्शा नहीं जाएगा'

चंडीगढ़, 7 मई :– हरियाणा के सहकारिता, कारागार एवं पर्यटन मंत्री डॉ. अरविंद शर्मा ने कहा कि आज पूरा देश अपनी सेना पर गर्व करता है और ऑपरेशन सिंदूर ने यह स्पष्ट कर दिया है कि भारत की ओर आंख उठाकर देखने वालों को किसी भी कीमत पर बख्शा नहीं जाएगा।

प्रदेश के विभिन्न स्थानों पर आयोजित कार्यक्रमों में शामिल होते हुए डॉ. अरविंद शर्मा ने ऑपरेशन सिंदूर पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि भारत सरकार का यह संकल्प है कि आतंकवाद का समूल नाश किया जाएगा। उन्होंने कहा कि इस ऑपरेशन ने साबित कर दिया है कि देश की आत्मा पर हमला करने वालों को किसी भी सूरत में छोड़ा नहीं जाएगा।

कैबिनेट मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने बिहार रैली में स्पष्ट रूप से कहा था कि पहलगाम के दोषियों को ऐसी सजा दी जाएगी, जिसकी उन्होंने कभी कल्पना भी नहीं की होगी। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री जो कहते हैं, उसे पूरा करके दिखाते हैं और देश की 140 करोड़ जनता को उन पर पूर्ण विश्वास है। डॉ. शर्मा ने कहा कि आज पूरा देश एकजुट होकर प्रधानमंत्री के साथ खड़ा है। उन्होंने बताया कि ऑपरेशन सिंदूर से पाकिस्तान बौखलाया हुआ है और वह लगातार एलओसी पर सीजफायर का उल्लंघन कर रहा है, जिसका भारतीय सेना मुंहतोड़ जवाब दे रही है।

उन्होंने नागरिकों से आग्रह किया कि अफवाह फैलाने वालों की बातों पर ध्यान न दें और सतर्क रहकर राष्ट्रहित में सहयोग करें। केवल आधिकारिक सूचनाओं के लिए आकाशवाणी एवं दूरदर्शन से संपर्क में रहें।

# हरियाणा राज्य सहकारी कृषि एवं ग्रामीण विकास बैंक के नवनियुक्त उपाध्यक्ष राम जतन गुर्जर डमौली ने संभाला कार्यभार

दिनांक 06 मई 2025 को हाल ही में सर्वसम्मती से चुने गए हरियाणा राज्य सहकारी कृषि एवं ग्रामीण विकास बैंक के नवनियुक्त उपाध्यक्ष श्री राम जतन गुर्जर डमौली ने पंचकुला स्थित बैंक मुख्यालय में अपने पद का कार्यभार ग्रहण किया। हरियाणा सरकार में राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री राजेश नागर एवं भाजपा के वरिष्ठ नेता, हरियाणा विधानसभा के पूर्व स्पीकर एवं पूर्व कैबीनेट मंत्री श्री कंवर पाल गुर्जर ने राम जतन डमौली को उनके कार्यालय में उपाध्यक्ष के पद पर आसीन कर कार्यभार ग्रहण करवाया। इस अवसर पर हरियाणा कर्मचारी चयन आयोग के पूर्व चेयरमैन श्री भोपाल सिंह खदरी एवं भाजपा के वरिष्ठ नेता उपस्थित रहे। पदभार ग्रहण समारोह में बैंक के नवनियुक्त उपाध्यक्ष श्री राम जतन गुर्जर डमौली, निदेशक श्री भरत सिंह मलिक एवं श्री दरबारा डौहर ने माननीय राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री राजेश नागर एवं भाजपा के वरिष्ठ नेता, हरियाणा विधानसभा के पूर्व स्पीकर एवं पूर्व कैबीनेट मंत्री श्री कंवर पाल गुर्जर का पुष्पगुच्छ एवं शॉल भेंट कर स्वागत एवं आभार व्यक्त किया। अपना कार्यभार संभालते ही उपाध्यक्ष राम जतन गुर्जर डमौली ने अश्वस्त किया कि उन द्वारा जल्द ही बैंक के हित में सकारात्मक कदम उठाए जांऐगे और हरियाणा के किसानों को बैंक की ओर से भरपूर लाभ देकर उनकी आर्थिक स्थिती में सुधार किया जाएगा। उपाध्यक्ष ने बैंक के प्रबंध निदेशक नरेश गोयल का भी आभार व्यक्त करते हुए कहा कि प्रबंध निदेशक के साथ मिलकर बैंक के प्रशासनिक मामलों में सकारात्मक कदम उठाए जांएगे और बैंक को प्रगति के पथ पर ले जाने का कार्य किया जाएगा। बैंक के प्रबंध निदेशक नरेश गोयल ने बताया कि बैंक के इतिहास में पहली बार राम जतन गुर्जर डमौली निर्विरोध चुनाव द्वारा पहले उपाध्यक्ष चुने गए हैं।

इस अवसर पर हरियाणा राज्य कर्मचारी सफाई आयोग के उपाध्यक्ष श्री जगबीर सिंह, फरीदाबाद से गुर्जर समाज के प्रधान चौ. जगबीर, चौ. कल्याण सिंह, पूर्व मण्डल अध्यक्ष, छछरौली, चौ. औंकार सिंह, सरपंच देवधर, चौ. साहब सिंह, हरेवा व पूरे हरियाणा से भारी संख्या में गणमान्य कार्यकर्ता एवं बैंक के अधिकारी उपस्थित रहे।

# हरियाणा को उसका जल अधिकार मिलना चाहिए

## – भाखड़ा बांध पर पंजाब की हठधर्मिता असंवैधानिक

## – आप की चुनावी राजनीति और पंजाब की जिद के बीच पिस रहा है हरियाणा

## – भाजपा सरकार प्रदेश हितों की सच्ची संरक्षक

**–नीलम अहलावत**

2 मई, झज्जर :– हरियाणा को उसके जल अधिकार दिलवाने के संघर्ष में केन्द्र और हरियाणा की सरकार पूरी प्रतिबद्धता और गंभीरता के साथ जुटी हुई है। इस संबंध में भाजपा महिला मोर्चा हरियाणा की प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य नीलम अहलावत ने कहा कि भाखड़ा बांध से हरियाणा के हिस्से का पानी रोका जाना पंजाब सरकार की हठधर्मिता और संघीय ढांचे के विरुद्ध एक गंभीर अवमानना है। यह स्थिति न केवल संवैधानिक प्रावधानों का उल्लंघन करती है, बल्कि हरियाणा की आम जनता, विशेषकर किसानों के हितों पर सीधा प्रहार है।

उन्होंने कहा कि पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान और आम आदमी पार्टी इस पूरे जल विवाद को जानबूझकर चुनावी रंग दे रहे हैं। आगामी विधानसभा चुनावों को ध्यान में रखते हुए पंजाब में भावनात्मक उन्माद फैलाने के लिए हरियाणा के हिस्से के जल वितरण में अड़चनें डाली जा रही हैं। भगवंत मान सरकार केवल पंजाब की वोटबैंक राजनीति को देखते हुए अदालत के आदेशों की भी अनदेखी कर रही है, जो पूरी तरह से अलोकतांत्रिक और असंवैधानिक है। उन्होंने आगे कहा कि जैसा हाल दिल्ली विधानसभा चुनावों में अरविंद केजरीवाल का हुआ, वैसा ही हाल अब पंजाब में भगवंत मान का भी तय है। जनता अब आम आदमी पार्टी की सच्चाई पहचान चुकी है और जो सरकारें जनता के अधिकारों से खिलवाड़ करती हैं, उन्हें जनता चुनाव में माफ नहीं करती।

नीलम अहलावत ने कहा कि एस.वाई.एल (सतलुज–यमुना लिंक) नहर का निर्माण सुप्रीम कोर्ट के स्पष्ट आदेशों के बावजूद अब तक अधूरा पड़ा है क्योंकि पंजाब सरकार इस मुद्दे पर बार–बार बहानेबाजी कर रही है। हरियाणा की जनता का पानी पंजाब की सियासी चालबाजियों की भेंट चढ़ रहा है।

उन्होंने हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी की भूमिका की सराहना करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने जल अधिकारों के संरक्षण को प्राथमिकता दी है और केंद्र सरकार से लगातार संवाद स्थापित करके हरियाणा के हितों को मजबूती से रखा है। वह न केवल सुप्रीम कोर्ट के आदेशों की पालना चाहते हैं, बल्कि जल विवादों का स्थायी समाधान भी सुनिश्चित करना चाहते हैं। उनकी नेतृत्व क्षमता ने यह स्पष्ट कर दिया है कि भाजपा की सरकार हरियाणा के किसानों और आमजन के अधिकारों को लेकर किसी भी तरह की ढील नहीं बरतेगी।

# कृषि संकल्प अभियान में किसानों को दी स्मार्ट खेती की जानकारी

बवानीखेड़ा, 2 जून : कृषि विज्ञान केंद्र भिवानी ने 2 जून 2025 को गांव बड़सी जाटान, बड़सी गुजरान और अलखपुरा में कृषि संकल्प अभियान 2025 का आयोजन किया। इसमें खरीफ फसलों की नई तकनीक, प्राकृतिक खेती, फसल विविधीकरण, मृदा स्वास्थ्य कार्ड आधारित फसल चयन, संतुलित उर्वरक उपयोग, आईसीटी और आधुनिक यंत्रों से स्मार्ट खेती पर जानकारी दी गई।

अभियान के पांचवें दिन डॉ. मुरारी लाल, जिला विस्तार विशेषज्ञ (बागवानी) ने अमरूद और नींबू वर्गीय फलदार पौधों की खेती और समेकित कृषि प्रणाली अपनाने के लिए किसानों को प्रेरित किया। उन्होंने बताया कि इस प्रणाली में किसान फसल उत्पादन के साथ फल, सब्जी, फूल, मसाले, मशरूम, पशुपालन, मधुमक्खी पालन, मछली पालन, भेड़–बकरी और कुक्कट पालन कर सकते है। डॉ. संजय मक्कर, उपमंडल अधिकारी, भिवानी ने केंद्र और राज्य सरकार की योजनाओं की जानकारी दी। उन्होंने प्राकृतिक खेती की विधियों को भी विस्तार से समझाया। डॉ. जयकिशन विषय विशेषज्ञ ने कपास और बाजरा की उन्नत खेती और संतुलित उर्वरकों के उपयोग पर जानकारी दी।

डॉ. सुभाष बाबू वरिष्ठ वैज्ञानिक, भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान, नई दिल्ली ने फसल विविधीकरण, धान की सीधी बुवाई की विविधीकरण, धान की सीधी बुवाई की तकनीक और एकीकृत कृषि प्रणाली के लाभ बताएं। डॉ. दीबा कामिल, वरिष्ठ वैज्ञानिक, भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान, नई दिल्ली ने प्रमुख फसलों में कीट और रोग प्रबंधन और रोग प्रतिरोधी किस्मों की जानकारी दी।

उन्होंने ड्रोन से होने वाले लाभ भी बताए। डॉ. डी.सी.मीना, वरिष्ठ वैज्ञानिक, राष्ट्रीय कृषि आर्थिकी एवं नीति अनुसंधान संस्थान, नई दिल्ली ने किसानों की आय बढ़ाने वाली सरकारी योजनाओं और आईसीटी उपकरणों की जानकारी दी। डॉ. आनंद प्रकाश पशु रोग जांच अधिकारी ने गोबर और दूध जांच के फायदे बताए। उन्होंने मानसून में होने वाली बीमारियों जैसे बांझपन, धनेला, गलघोंटू और मुहखुरी के बारे में भी बताया। डॉ. ज्योति उद्यान विकास अधिकारी, बवानीखेड़ा ने नए बाग लगाने सब्जी की खेती, वर्टिकल फार्मिक, नेट हाउस पॉली हाउस, मशरूम उत्पादन मधुमक्खी पालन और पानी के तालाब जैसी योजनाओं की जानकारी दी। श्री जिज्ञासु मत्स्य पालन अधिकारी ने प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना और अन्य विभागीय योजनाओं की जानकारी दी। देवेन्द्र सिंह सिवाच, सहकारी शिक्षा अधिकारी, हरकोफैड ने सीएम पैक्स और सहकारिता के कृषि क्षेत्र में योगदान पर जानकारी दी। श्री सुरेन्द्र जी ने प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना की जानकारी दी।

# Revitalizing Member Engagement and Cooperative Democracy in PACS

**1. Introduction: Cooperative Identity and the Crisis of Participation**

The cooperative movement in India has historically thrived on the collective strength and involvement of its members. PACS, as the lowest tier of the rural cooperative credit structure, are supposed to be democratic bodies where decisions are made by members, for members. However, in practice, many PACS today operate in a **top-down, bureaucratic manner** where members are treated more like clients than stakeholders.

Low voter turnout in elections, poorly attended Annual General Meetings (AGMs), and minimal feedback mechanisms have eroded the essence of cooperative democracy. Member apathy is often rooted in lack of transparency, unresponsive leadership, and perceived distance between the Board and general membership.

**2. The Role of Member Engagement in Institutional Sustainability**

Member engagement is not just a cooperative principle — it's a performance factor. Societies with higher member involvement often show:

- Better loan recovery and repayment discipline
- Higher equity contribution through share capital
- More demand for services (e.g., inputs, storage)
- Greater internal accountability
- Stronger resistance to mismanagement or fraud

Engaged members act as the **first line of governance,** questioning decisions, demanding performance, and ensuring checks on the management and board.

**3. Current Challenges in Member Participation in PACS**

**3.1 Declining AGM Attendance**

AGMs — the annual event for member interaction, disclosures, and resolutions — are often **poorly publicized or poorly conducted.** Many PACS merely fulfil the legal formality without meaningful discussion.

Common issues:

- No prior circulation of agenda or financials
- Last-minute announcements
- Dominance of select members or board loyalists
- No mechanism to record feedback or objections

As a result, members lose interest and feel their voices do not matter.

**3.2 Information Asymmetry and Low Awareness**

Many members do not understand:

- What the board does
- What financial position the society is in
- What rights they have as cooperative owners
- What to expect from PACS services and benefits

This is worsened by:

- Lack of disclosure boards or digital notices
- No training or handholding of members

**Diskha Sharma,** Faculty Member
Regional Institute of Cooperative Management Sector 32/C, Chandigarh

- Absence of grievance redressal or social audit systems

**4. Reviving Democracy: Practical Steps for PACS**

**4.1 Making AGMs More Transparent and Member-Focused**
AGMs should become **annual accountability platforms,** not tick-box events.
Steps to improve:
- Publicize AGM notices 15–20 days in advance using digital and physical media
- Share audited financials, agenda, and past resolutions beforehand
- Reserve time for member questions and feedback
- Record proceedings and display key decisions on PACS boards or WhatsApp groups
- Allow member resolutions or special discussions on performance

**4.2 Reforming Election Practices and Board Orientation**
- Ensure election dates and process are announced clearly and independently
- Use **cooperative election authorities** or federations to monitor fairness
- Display voter lists and board eligibility criteria
- Hold short orientation sessions for new board members on duties and governance norms
- Apply **rotation and term limits** to avoid monopolization of power

**4.3 Strengthening Member Rights and Redressal**
Members should be aware of and able to exercise rights such as:
- Access to audited financial reports
- Right to attend and vote in AGMs
- Ability to file complaints or request clarifications
- Right to demand board accountability through motions or special meetings

Display of **"Know Your Rights as a PACS Member"** leaflets and posters in regional language should become a basic compliance norm.

**5. Using Technology to Promote Member Involvement**
Digital tools can help overcome many participation barriers:
- Use **SMS or WhatsApp notifications** for AGM dates, dividend announcements, etc.
- Install **digital notice boards** or tablets at PACS offices for real-time disclosures
- Use simple **poll or feedback apps** to gather member opinions
- Introduce **online grievance registers** linked to the registrar's portal
- Live stream important meetings for larger cooperatives

When members feel informed and included, their sense of ownership increases — reducing defaults, boosting equity, and improving cooperation.

**6. Gender and Youth as Drivers of Democratic Renewal**
In many PACS, **women and youth members are underrepresented** or inactive. Special efforts should be made to:
- Reserve seats or encourage candidacy for women in the board
- Conduct **youth engagement workshops** to orient rural youth on cooperative governance
- Allow digital participation or voting options in future reforms
- Recognize women/youth achievers at AGMs to build visibility

Their inclusion not only strengthens democracy but brings fresh energy and innovation to cooperative planning.

**7. Recommendations: Building a Culture of Democratic Accountability**

To revitalize cooperative democracy, the following policy and practice-level steps are suggested:

| Area | Recommendation |
|---|---|
| **Legal** | Enforce minimum quorum and member participation norms in AGMs |
| **Training** | Regular cooperative literacy camps at village/cluster levels |
| **Monitoring** | Display of AGM minutes and audit responses publicly |
| **Incentives** | Link certain government schemes or dividend eligibility to AGM attendance |
| **Recognition** | Award PACS with highest member turnout or best grievance handling |
| **Inclusion** | Mandate representation of women and underrepresented groups |

Conclusion: From Passive Beneficiaries to Empowered Stakeholders

For PACS to truly function as cooperatives and not as micro-bureaucracies, **members must be empowered, engaged, and vocal.** Reviving AGMs, cleaning up elections, and restoring trust are not administrative tasks—they are fundamental to cooperative integrity.

An engaged member is:

- More likely to repay loans
- Less likely to tolerate mismanagement
- More willing to invest in share capital
- A natural ambassador for cooperative growth

The path to rejuvenating PACS lies in turning members from silent spectators into **active stakeholders and co-owners**. When members lead, cooperatives succeed.

दिनांक 31.05.2025 को हरको बैंक के महाप्रबंधक श्री कुलदीप कौशिक, उप–महाप्रबंधक श्री राम मूर्ति व श्री कमल चन्द्र, सेवादार की सेवा–निवृति के अवसर पर विदाई समारोह में उनके साथ विराजमान महाप्रबंधक श्री अशोक कुमार वर्मा, श्री रमेश पुनिया, उप–महाप्रबंधक श्रीमती उर्वशी गुप्ता, प्रबंधक श्रीमती सुधा शर्मा, श्री यशवीर सिंह, श्री जयपाल सिंह, श्री सुनील पातड़, महाप्रबंधक, कुरूक्षेत्र जिला केन्द्रीय सहकारी बैंक, श्री जयप्रकाश सोनी, महाप्रबंधक, जींद जिला केन्द्रीय सहकारी बैंक व अन्य अधिकारीगण व कर्मचारीगण उपस्थित रहे ।

# समिति "दी किसान भारती सहकारी बहुउद्देशीय समिति लि. लाडवी" की सफलता की कहानी।

गांव लाडवी, खंड आदमपुर, जिला हिसार के 11 सहकार बंधुओ ने मिलकर एक बहुउद्देशीय सहकारी समिति "दी किसान भारती सहकारी बहुउद्देशीय समिति लि. लाडवी" का पंजीयन ARCS हिसार के कार्यालय से दिनांक 9 नवंबर 2015 को करवाया। सर्वप्रथम ग्राम कोहली में अंशकालिक कर्मचारी लगाकर किसानों को खाद, बीज तथा कीटनाशक दवाइयों के वितरण का कार्य प्रारंभ किया किंतु पूंजी के अभाव के कारण व्यवसाय में सफलता नहीं मिली और समिति लगभग 3 लाख घाटे में चली गई।

उपरांत समिति के संचालक मंडल ने श्री हनुमान गोदारा, सहायक लेखाकार दी मंडी आदमपुर सहकारी विपणन समिति लि. को समिति का प्रबंध निदेशक नियुक्त किया उन्होंने अपनी कार्य कुशलता और अनुभव से समिति के उप–नियमों में संशोधन कर समिति को हैफेड की सदस्यता दिलवाई और समिति का कार्य क्षेत्र का विस्तार हिसार,सिरसा तथा फतेहाबाद जिले तक करवाया। हैफेड से सदस्यता प्राप्त होने के उपरांत समिति ने 1 नवंबर 2021 को हरियाणा दिवस से अनाज मंडी रतिया में फसल खरीद का कार्य प्रारंभ किया और वर्ष 2021–22 में ही समिति ने 23.15 करोड़ का कारोबार कर पुराने घाटे की भरपाई की और लाभ में प्रवेश किया उसके बाद समिति के कारोबार में निरंतर बढ़ोतरी होती गई । वर्ष 2022–23 में समिति ने 490.89 करोड़ का कारोबार कर 6942 किसानों की फसल न्यूनतम समर्थन मूल्य (MSP) पर तथा वर्ष 2024– 25 में भी समिति ने 399.56 करोड़ रुपए की फसल की बिक्री MSP पर करवाकर 9242 किसानों को लाभान्वित किया है। इसके अतिरिक्त समिति ने 2023– 24 में 1.43 करोड रुपए के कृषि आदानों की बिक्री भी किसानों को की। इससे बिक्री से समिति को वर्ष 2022–23 मे 37.65 लाख रुपए शुद्ध लाभ अर्जित किया और वर्ष 2023 – 24 की समाप्ति पर समिति का शुद्ध लाभ 56.19 लाख रुपए है तथा वर्ष 2024–25 की समाप्ति पर समिति का शुद्ध लाभ 76.00 लाख रुपए तक पहुँच जाएगा। समिति ने वर्ष 2022–23 व 2023–24 के शुद्ध लाभ में से 10% लाभांश का वितरण भी अपने सदस्यों को किया है।

समिति ने अपने उद्देश्यों की प्रतिपूर्ति और कारोबार को बढ़ाने की दृष्टि से कर्मचारियों और सदस्य को ड्रोन संचालन प्रशिक्षण तथा बीमा क्षेत्र में कार्य करने के लिए IRDA से कॉरपोरेट एजेंट का लाइसेंस प्राप्त करने के लिए प्रशिक्षण दिलवाया है। समिति कारोबार के कुशल प्रबंधन के लिए समिति की प्रबंध निदेशक सुश्री मंजू को क्षेत्रीय सहकारी प्रबंध संस्थान चंडीगढ़ से HIGHER DIPLOMA IN COOPERATIVE MANAGEMENT का प्रशिक्षण भी दिलवाया गया है।

सहकारिता से समृद्धि के संकल्प को साकार करने तथा अपने उद्देश्यों की प्रतिपूर्ति के लिए समिति ने इस दौरान तीन केंद्रीय सहकारी समितियों (BBSSL-NCOL]NCEL) की सदस्यता भी ग्रहण की है। वर्तमान में समिति द्वारा फसल खरीद कार्य तथा कृषि आदानों की आपूर्ति के अतिरिक्त ग्रामीण दस्तकारों द्वारा निर्मित घरेलू तथा कृषि कार्य में उपयोग उपकरण तथा औजारों की आपूर्ति, लेबर कंस्ट्रक्शन का कार्य किया जा रहा है। तथा भविष्य में ग्रामीण स्वच्छता भूमि की उर्वरा शक्ति तथा किसानों की आय में बढ़ोतरी को मध्य नजर रखते हुए समिति ब्ठळ प्लांट लगाने के लिए प्रयासरत है और बहुत जल्दी प्थ्ब्ब द्वारा निर्मित नैनो यूरिया और डीएपी के छिड़काव के लिए ड्रोन की सुविधा भी किसानों को उपलब्ध करवाने का कार्य करेगी। वर्तमान में समिति का प्रधान कार्यालय गांव लाडवी, तहसील आदमपुर, जिला हिसार ,हरियाणा में तथा शाखा कार्यालय अनाज मंडी रतिया जिला फतेहाबाद और 3 बिक्री केंद्र गांव कोहली, कपास मंडी आदमपुर तथा हुड्डा कंपलेक्स रतिया में संचालित है।

आभार सहित
प्रबन्ध निदेशक

# सामाजिक विकास में सक्रिय भूमिका निभाएं सहकार – उपयुक्त विश्राम कुमार मीणा

## गांव खेड़ला में तकनीकी एवं नवाचार विषय पर सेमिनार आयोजित

नूंह 14 मई – उपायुक्त विश्राम कुमार मीणा ने कहा कि सभी सहकार सक्रिय होकर सहकारी समितियों के माध्यम से समाज का विकास करना सुनिश्चित करें। सभी सहकारी समितियां व स्वयं सहायता समूह सहकारी योजनाओं का लाभ देते हुए सामाजिक व आर्थिक विकास में अहम योगदान दें।

उपायुक्त बुधवार को गांव खेड़ला जिला नूंह स्थित पंचायत भवन में दी हरियाणा सहकारी विकास में दी हरियाणा सहकारी विकास प्रसंघ के तत्वावधान में अंतरराष्ट्रीय सहकारिता वर्ष 2025 के अंतर्गत तकनीकी एवं नवाचार विषय पर आयोजित सेमिनार में मुख्य अतिथि के रूप में बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि सहकारी पूरी ईमानदारी व तत्परता से कार्य करेंगे, तो निश्चित रूप से समाज का विकास संभव होगा। इस अवसर पर उन्होंने विभिन्न सहकारी समितियों व सेल्फ हेल्प ग्रुप द्वारा लगाई गई प्रदर्शनी का अवलोकन भी किया। यह प्रदर्शनी वीटा चिलिंग सेंटर नूंह, जिला प्राथमिक सहकारी व ग्रामीण विकास बैंक, ग्ररूग्राम शाखा नूंह, जिला गुरूग्राम नूंह, जिला गुरूग्राम सैंट्रल सहकारी बैंक नूंह व स्वयं सहायता समूह द्वारा लगाई गई थी। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता उपरजिस्ट्रार यशपाल दहिया, गुरूग्राम ने की और उन्होंने भी तकनीकी व नवाचार के बारे में जानकारी दी। सहायक सहकारी शिक्षा अधिकारी सत्यानारायण यादव ने कार्यक्रम के आयोजन के महत्व और सहकारों की भूमिका के बारे में जानकारी दी। उन्होंने अंतरराष्ट्रीय सहकारी वर्ष के महत्व पर प्रकाश डालते हुए सहकारी मूल्य व सिद्धांतों के बारे में विस्तार से बताया। सहायक रजिस्ट्रार रितेन्द्र ने सहकारिता क्षेत्र में तकनीकि व नवाचार के महत्व के बारे में बताया कि सभी सहकार को आधूनिक तकनीकी व नवाचार का प्रयोग करना चाहिए। इस कार्यक्रम में महाप्रबंधक जितेंद्र सिंह, नगेन्द्र पंकज यादव सिंह व मुकेश आदि उपस्थित थे।

# "अमृत काल में हिंदी और अन्य भारतीय भाषाओं की परस्पर सहभागिता"

एक अत्यंत प्रासंगिक और विचारोत्तेजक विषय है। इसमें हम स्वतंत्रता के 100 वर्षों की पूर्णता तक पहुँचने की इस कालावधि कृ जिसे सरकार ने "अमृत काल" कहा है कृ के संदर्भ में हिंदी और अन्य भारतीय भाषाओं की सहयोगिता, सहअस्तित्व और विकास की दिशा में हो रहे प्रयासों और संभावनाओं को समझते हैं।

अमृत काल में भारतीय भाषाओं के प्रति एक नया आत्मविश्वास विकसित हो रहा है। अब इन्हें पिछड़ेपन की निशानी नहीं, बल्कि ज्ञान, संस्कृति और नवाचार के वाहक के रूप में देखा जा रहा है।

**परिचयः** "अमृत काल" का अर्थ है वह कालखंड जिसमें भारत आत्मनिर्भर, समावेशी, तकनीकी रूप से उन्नत और सांस्कृतिक रूप से समृद्ध राष्ट्र बनने की दिशा में अग्रसर है। इसमें भाषाओं की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है, क्योंकि भाषा केवल संवाद का माध्यम नहीं बल्कि संस्कृति, पहचान और विचारों की संवाहिका भी होती है।

**हिंदी और अन्य भारतीय भाषाएँः** भारत में संविधान द्वारा 22 भाषाओं को आठवीं अनुसूची में स्थान दिया गया है। हिंदी सबसे अधिक बोली जाने वाली भाषा है, परन्तु अन्य भाषाएँ कृ जैसे तमिल, तेलुगु, बांग्ला, मराठी, गुजराती, उर्दू, मलयालम, कन्नड़, ओड़िया आदि कृ भी अत्यंत समृद्ध साहित्य और सांस्कृतिक विरासत की ध्वजवाहक हैं।

**Paraspar Sahbhagita** के आयामः

**1. शैक्षिक आदान–प्रदान और अनुवाद कार्यः**
- हिंदी साहित्य को अन्य भाषाओं में और अन्य भारतीय भाषाओं के साहित्य को हिंदी में अनुवाद कर साझा किया जा रहा है।
- "भारतीय भाषा अनुवाद योजना" जैसे कार्यक्रमों के तहत इंजीनियरिंग, चिकित्सा, और उच्च शिक्षा के पाठ्यक्रम क्षेत्रीय भाषाओं में लाने का प्रयास हो रहा है।

**2. तकनीकी सहयोगः**
- डिजिटल प्लेटफॉर्म्स जैसे Bhashini (Digital India Bhasha Initiative) हिंदी और अन्य भाषाओं के बीच संवाद को तकनीक से सरल बना रहे हैं।
- AI आधारित अनुवाद, भाषण पहचान और स्वचालित ट्रांसलेशन टूल्स का विकास बहुभाषीय संवाद को सशक्त बना रहा है।

**3. संविधान और प्रशासन में भाषाः**
- हिंदी के साथ–साथ क्षेत्रीय भाषाओं में सरकारी दस्तावेजों, योजनाओं और सेवाओं को उपलब्ध कराया जा रहा है।
- लोकसभा और राज्य विधानसभाओं में विभिन्न भाषाओं के प्रयोग से विविधता का सम्मान हो रहा है।

**4. साहित्य और संस्कृति में सहभागिताः**
- साहित्यिक उत्सवों, नाट्य मंचनों, फिल्मोत्सवों में भाषाओं का पारस्परिक आदान–प्रदान हो रहा है।
- एक भाषा के कवियों और लेखकों की रचनाओं को दूसरी भाषा के पाठकों तक पहुँचाना सांस्कृतिक पुल का कार्य कर रहा है।

**चुनौतियाँः**
- ★ भाषाई हीनता या वर्चस्व की भावना।
- ★ भाषाओं के बीच तकनीकी संसाधनों की असमानता।
- ★ कुछ भाषाओं के विलुप्त होने का खतरा।

**समाधान और सुझावः**
- ★ "एक भारत, श्रेष्ठ भारत" के अंतर्गत भाषाई आदान–प्रदान को बढ़ावा देना।
- ★ स्कूलों और विश्वविद्यालयों में अन्य भारतीय भाषाओं के अध्ययन को प्रोत्साहित करना।
- ★ डिजिटल माध्यमों से भाषाओं को सशक्त करना।
- ★ युवाओं को बहुभाषी बनाने की दिशा में काम करना।

**निष्कर्षः**

"अमृत काल" केवल आर्थिक या तकनीकी प्रगति का समय नहीं है, यह भाषायी समरसता और संस्कृति के पुनर्जागरण का भी काल है। हिंदी और अन्य भारतीय भाषाएँ यदि परस्पर सहयोग करें, तो न केवल एक सशक्त संवाद–व्यवस्था विकसित होगी, बल्कि भारतीय एकता और सांस्कृतिक विविधता को भी मजबूती मिलेगी।

यह समय है कि हम सभी भाषाओं को सम्मान दें, उन्हें सहेजें और उनके बीच सह–अस्तित्व का एक सुंदर उदाहरण प्रस्तुत करें।

**Sunil Kumar,** Faculty Member
Regional Institute of Cooperative Management Sector 32/C, Chandigarh

# अन्तर्रराष्ट्रीय सहकारी वर्ष 2025 के अन्तर्गत कृषि क्षेत्र में ड्रोन की उपयोगिता पर कार्यक्रम

दिनांक 23.05.2025 को अन्तरर्राष्ट्रीय सहकारी वर्ष 2025 के अन्तर्गत बहुउद्देशीय सहकारी समिति ढ़ाकला जिला झज्जर में सहकारिता में तकनीकी व नवाचार के तहत ड्रोन तकनीकि की उपयोगिता पर जागरूकता कार्यक्रम किया गया।

यह कार्यक्रम दि हरियाणा राज्य सहकारी प्रसंघ पंचकुला के तत्वाधान में श्री विरेन्द्र सिंह, सहायक रजिस्ट्रार सहकारी समितियां झज्जर की अध्यक्षता में किया गया।

कार्यक्रम की शुरूआत में हरकोफैड के सहायक सहकारी शिक्षा अधिकारी श्री सत्यानारयण यादव ने उपस्थित सभी सहकारी सदस्या में अन्तरर्रष्टीय सहकारी वर्ष का महत्व पर प्रकाश डालते हुए सहकारी आन्दोलन में सहकारी मुल्य व सिद्धान्त के बारे में विस्तृत रूप से बताया।

श्री अमित ड्रोन विशेषज्ञ ने उपस्थित सहकारी बन्धुओं और किसान भाईयों को ड्रोन तकनीकि का कृषि क्षेत्र में उपयोग के बारे में बताया और किसानों ने प्रशन पुछकर शंकाएं भी दूर की।

श्री विरेन्द्र सिंह सहायक रजिस्ट्रार सहकारी समितियां झज्जर ने भी किसानों की सहकारी शक्ति का तकनीकी के सांय उपयोग करने का आहवान किया ओर सहकारी शक्ति से देश के विकाश में अहम योगदान पर भी ध्यान आर्कषित किया।

इसमें एम पैक्स डाकला के प्रबंधक श्री मदन लाल सहकारी बैंक शाखा के मैनेजर श्री राजेश कुमार सहित लगभग 100 सहकारी सदस्यों ने भाग लिया।

इस कार्यक्रम में सात्हावास पैक के प्रबंधक श्री चन्द्रहास, श्री रविन्द्र निरीक्षक, श्री बलवान, श्री चन्द्रभान उपनिक्षण और सहायक रजिस्ट्रार कार्यालय के कर्मचारियों ने हिस्सा लिया।

श्री डाकला एम पैक्स के चेयरमैन श्री जसबीर ने उपस्थित सभी कर्मचारियों और सहकारी सदस्यों का कार्यकर्म को सफल बनाने के लिए धन्यवाद किया।

# मृदा परीक्षण कार्यक्रम –किसान सभा, गाँव गुल्लरवाला – टोहाना

टोहानाः दिनांक 23 अप्रैल 2025 को गाँव गुल्लरवाला में इफको टोहाना द्वारा मृदा परीक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया किया गया । कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि गाँव के सरपंच कमलदीप सिंह रहे, कार्यक्रम की अध्यक्षता लक्ष्मण दास (नम्बरदार) ने की । कार्यक्रम में सुशील कुमार ( क्षेत्रीय अधिकारी, इफको टोहाना), सुनील कुमार (इफको एम. सी.), लोहिया सिंह, परमजीत सिंह, देशराज, प्रकाश सिंह मौजूद रहे। कार्यक्रम की शुरुआत में सुशील कुमार ने सभी का स्वागत किया तथा मिट्टी में मौजूद तथा फसलों के लिए आवश्यक पोषक तत्वों के बारे में बताया तथा मिट्टी जाँच के लिए खेत से नमूना लेने के बारे में किसानों को अवगत कराया । इसके साथ इफको के जैव उर्वरक, सागरिका तथा जल घुलनशील उर्वरकों के उपयोग हेतू जानकारी साँझा की । कार्यक्रम में इफको नैनो यूरिया तरल एवं नैनो डीएपी के फायदे किसान साथियों के साथ सांझा किए तथा बताया कि नैनो यूरिया तरल, परंपरागत यूरिया से क्यों बेहतर है और इसका इस्तेमाल क्यों करना चाहिए। इफको नैनो यूरिया तरल आत्मनिर्भर भारत में आत्मनिर्भर कृषि को बढ़ावा देने के लिए इफको की देन है जिसका 11000 किसानों के खेतो में इस्तेमाल करने के बाद यह पाया गया है कि 500 उस की बोतल 1 कट्टा यूरिया से ज्यादा पैदावार करने में सक्षम है।

उन्होंने बताया जहा परम्परागत यूरिया जिसकी कीमत 266.50 रुपए प्रति थैला है जो किसान अदा करता हैं उसके अलावा उस पर भारी रकम की सब्सिडी होती है जो कि भारत सरकार द्वारा अदा की जाती है लेकिन नैनो यूरिया तरल बिना किसी अनुदान के परंपरागत यूरिया से 10 प्रतिशत सस्ता है जिसकी कीमत 225 रुपए प्रति 500 उस बोतल है तथा फसल में इसकी उपयौगिक दक्षता 85 से 90 प्रतिशत है जो परंपरागत यूरिया से अधिक कारगर है जिसकी उपयोगिक दक्षता केवल 25 प्रतिशत है बाकी 75 प्रतिशत भूमिगत जल व वातावरण प्रदूषित करता है। नैनो यूरिया तरल का प्रयोग 4 उस प्रति लीटर पानी में घोल बनाकर पत्तो पर छिड़काव द्वारा किया जाता है जिससे किसी भी तरह का कोई प्रदूषण नहीं होता । कार्यक्रम में किसानों के खेत में जाकर मिट्टी के नमूने भी लिए गए । कार्यक्रम में 50 से अधिक किसान मौजूद रहें

# मोटा अनाज है अच्छे स्वास्थय की कुंजी

सुकीर्ती, मीना सिवाच, मीनाक्षी सांगवान
कृषि विज्ञान केंद्र, रोहतक, चौ. चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

भारत सरकार ने वर्ष 2018 को राष्ट्रीय कदन्न वर्ष घोषित किया था, इतना ही नहीं भारत में अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर भोजन में कदन्नों के महत्व को समझते हुए संयुक्त राष्ट्र संघ को भी अंतर्राष्ट्रीय कदन्न वर्ष के आयोजन हेतु निवेदन किया था। परिणाम स्वरूप संयुक्त राष्ट्र संघ ने वर्ष 2023 को अंतर्राष्ट्रीय कदन वर्ष 2023 घोषित किया है। यह हमारे लिए सुखद अनुभव तो है ही परंतु हमें पूरे विश्व को पोषण सुरक्षा प्रदान करने की दिशा में आगे बढ़ाना है ताकि हम वैश्विक पोषण सुरक्षा में योगदान हेतु भारत को विश्व गुरू का स्थान दिलाने में सफल हो सकें। वर्तमान में पूरे विश्व में खाद्याान समस्या का समाधान लगभग हो चुका है। भारत में तो एक ऐसा समय था जब लोगों को दो समय का भोजन भी पर्याप्त मात्रा में नहीं मिल पाता था परन्तु भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद एवं विभिन्न राज्यों के कृषि विश्वविद्यालयों एवं किसानों के कठिन परिश्रम ने हरित क्रांति के माध्यम से खाद्यानों के क्षेत्र में पूरे भारत को आत्मनिर्भर ही नहीं अपितु खाद्यानों के क्षेत्र में पूरे भारत को आत्मनिर्भर ही नहीं अपितु खाद्यान के क्षेत्र में पूरे भारत को आत्मनिर्भर ही नहीं अपितु खाद्यान्न के निर्यात के लिए भी सक्षम बनाया। भारत में हमने खाद्यान समस्या का समााधान तो कर लिया परंतु कुछ सरकारी नीतियों एवं लोगों के कम शारीरिक श्रम व शीघ्र बनने वाले व्यजनों में रूचि के चलते हमारे पारंपरिक खाद्यानों से हम दूर होने लगे। पारंपरिक ज्वार, बाजरा, रागी आदि से हमें जो पोषक तत्व मिल रहे थे हम उन से वंजित होते गए और आज हम जीवनशैली संबंधी कई विकारों जैसे मधुमेह, मोटापा, उच्च रक्तचाप आदि से ग्रस्त होने लगे हैं। यह नहीं है कि हम मोटे अनाजों से अनभिज्ञ थे, भारत में तो उपनिषदों, पुराणों आदि में भी मोटे अनाजों को ग्रहण करना उपयुक्त बताया जाता है। आज भी हम उपवास के दौरान मोटे अनाजों का उपयोग करते है। वर्तमाना में केवल इनका पुनः स्मरण करके हमें इनके महत्व के संबंध में पूरे विश्व को जागरूक करने की आवश्यकता है। मुख्य मोटे अनाज फसलें जो हमारे भोजन का हिस्सा होनी चाहिये, निम्न हैं :

## मुख्य मोटे अनाज वाली फसलें :–

**बाजरा :** बाजरा की खेती राजस्थान, गुजरात, पंजाब, हरियाणा और मध्य प्रदेश में होती है। बाजरा की खेती बहुत पुराने समय से की जा रही है। यह दुनिया में

अनाज के मामले में 6वें नंबर पर आता है। यह शुष्क क्षेत्रों से उच्च तापमान में भी आसानी से उगाया जाता है। बाजरा प्रोटीन, आयरन, कैल्शियम, फाइबर, थाइमिन और नियासिन का बढ़िया स्त्रोत है। इसमें कॉपर, मैग्नीशियम, सेलेनियम, जिंक, फोलिक एसिड और एमीनो एसिड भी मौजूद हैं।

इसके सेवन से शरीर मजबूत बनता है हड्डियां मजबूत होती हैं खून की कमी पूरी होती है, कोलस्ट्राल का लेवल कम होता है, कैंसर की सम्भावना कम होती है कब्ज की समस्या ठीक होती है। अस्थमा में भी इसके सेवन से राहत मिलती है और इसमें मौजूद फाइबर कैलोरी की संख्या को बढ़ाए बिना पेट भरा हुआ महसूस कराएगा।

अगर रोजाना बाजरा खाएं तो कोई नुकसान नहीं है बल्कि इसके सेवन से टाइप 2 डायबिटीज के साथ कई तरह के कैंसर के खतरे को भी कम किया जा सकता है। जिनको थायराइड की समस्या हो उन्हें प्रतिदिन बाजरा नहीं खाना चाहिए।

**ज्वार :** ज्वार की कई प्रजातियों की खेती की जाती है जिनमें से अधिकतर पशु के चारे के लिए उगाई जाती हैं। ज्वार की एक प्रजाति खाने के काम आती है। ज्वार भी कई तरह के पोषक तत्वों से भरपूर है। इसमें विटामिन बी, मैग्नेशियम, फ्लेवोनॉइड, फेनोलिक एसिड और टैनेन पाए जाते हैं।

विटामिन बी उपापचय (मेटाबॉलिज्म) को बढ़ावा देने ओर बालों व त्वचा की गुणवत्ता में सुधार करने के लिए जरूरी है, जबकि मैग्नेशियम हड्डी और हदय स्वास्थ्य को बढ़ावा देता है। इसे मधुमेह को नियंत्रित रखने के अलावा वजन नियंत्रित करने के लिए अच्छा अनाज बताया जाता है।

इसकी तासीर ठंडी होती है, इसलिए इसे पूरे वर्ष भर खाया जा सकता है। इसमें मौजूद फाइबर पाचन तंत्र के स्वास्थ्य के लिए बहुत अच्छा है। इसकी रोटी ज्यादा पसंद की जाती है। यह पोषक तत्वों से भरपूर होता है और फाइबर होने के कारण इसके सेवन से कई प्रकार के स्वास्थ्य लाभ मिलते है। यह ग्लूटेन मुक्त अनाज है और आसानी से उपलब्ध हो जाता है।

**रागी :** रागी की मडुआ और नाचनी नाम से भी जाना जाता है। यह राई के दाने की तरह गोल, गहरे भूरे रंग का, चिकना दिखता है। आयरन से भरपूर रागी रेड ब्लड सेल्स में हीमोग्लोबिन का उत्पादन करने के लिए एक जरूरी ट्रेस मिनरल है। इसमें हीमोग्लोबिन का उत्पादन करने के लिए एक जरूरी ट्रेस मिनरल है। इसमें कैल्शियम और पोटेशियम की मात्रा भी सबसे ज्यादा होती है। रागी कैल्शियम का बेहतरीन स्त्रोत है। 100 ग्राम रागी से 344 मिलीग्राम कैल्शियम प्राप्त होता है। इसे 6 से 8 घंटे भिगोने के बाद छोटे बच्चों के लिए आहार तैयार किया जाता है। यह सुपाच्य होता है और उनके सम्पूर्ण विकास में मदद करता है। कई अध्ययनों से पता चला है कि कई खनिजों ओर फाइबर से भरपूर रागी मधुमेह से ग्रसित लोगों के लिए बहुत फायदेमंद है, क्योंकि यह ब्लड शुगर लेवल को नहीं बढ़ाता। अमीनो एसिड के चलते यह बच्चों के लिए काफी अच्छा है। इस अनाज के सेवन से बच्चों के दिमाग का विकास तेजी से होता है। फाइबर से भरपूर होने की वजह से रागी की पेट में पचने में समय लगता है, जिससे व्यक्ति को काफी देर तक भूख नही लगती और वजन बढ़ने की संभावना भी कम हो जाती है। यह लिवर और पेट को स्वस्थ रखने में सक्षम है।

**चेना :** प्रोसो को हिंदी में चेना के नाम से जाना जाता है। चेना फाइबर से भरपूर ग्लूटेन मुक्त मोटा अनाज है। इसमें विटामिन बी6 जिंक, आयरन, मैग्नीशियम, फाइस्फोरस जैसे मिनरल तथा एमिनो एसिड मौजूद होते हैं। इसके सेवन से खून की कमी नहीं होती, वजन नियंत्रित रहता है। मधुमेह का खतरा कम हो जाता है, मानसिक व्याधियों से बचाव होता है तथा हदय को स्वस्थ रखने में मदद मिलती है।

**कंगनी :** फॉक्सटेल अर्थात कंगनी एक मोटा अनाज

है। कंगनी प्राचीन फसलों में से एक है। दक्षिण भारत में इसकी खेती की जाती है। इसकी पौष्टिकता और इसे खाने से होने वाले फायदों ने लोगों का ध्यान अपनी और आकर्षित किया है। इसका दाना पीले रंग का होता है। इसमें फाइबर की मात्रा ज्यादा होती है। यह प्रोटीन का भी बहुत अच्छा स्त्रोत है। इसमें एमिनी एसिड्स, विटामिन और कई मिनरल्स होते है।

इसे बीटा कैराटीन का मुख्य स्त्रोत माना जाता है। इसे तंत्रिका तंत्र (नर्वस सिस्टम) के लिए सुपर फूड कहा जाता है। यह बच्चों और गर्भवती महिलाओं के लिए सुरक्षित माना जाता है। हदया सम्बन्धी बीमारी, मधुमेह, पेट सम्बन्धी समस्या, रक्तहीनता , जोड़ों के दर्द, भूख की कमी, मूत्र विसर्जन के समय जलन, जलने से होने वाले घाव इत्यादि परेशानी में कंगनी का सेवन करना चाहिए। इससे ये सभी समस्याएं ठीक होती हैं। इसे पकाने से पहले 6 से 8 घंटे के लिए पानी में भिगोकर रखना होता है।

**कोदो :** कोदो मिलेट को हिंदी में कोदो या कद्रेव कहते हैं। कोदो मिलेट भी छोटा अनाज होता है। यह लाल रंग का होता है। औषधीय गुणों से भरपूर कोदो कफ और वित्त दोष को शांत करता है।

कोदा मिलेट को रक्त शोधक कहा जाता है। यह मधुमेह, हदय सम्बन्धी बीमरी, कैंसर और पेट सम्बन्धी समस्या से छुटकारा दिलाने में मदद करता है। कोदो मिलेट को लिवर और किडनी के लिए अच्छा अनाज बताया जाता है। किडनी सम्बंधित रोगो में इसका सेवन औषधि की तरह कार्य करता है। इसके सेवन में कई तरह के बैक्टीरियल ग्रोथ खत्म होते हैं। ग्लूटेन मुक्त कोदो तंत्रिका तंत्र (नर्वस सिस्टम) को मजबूती प्रदान करता है। इसे पकाने से पहले 6 से 8 घंटे के लिए भिगोकर रखना चाहिए।

**सांवा :** बार्नयार्ड को हिंदी में सांवा या सनवा कहते हैं। यह बार्नयार्ड के नाम से ज्यादा प्रचलित है। यह कम समय में तैयार होने वाली फसल है। 45 से 60 दिन के अंदर यह काटने के लिए तैयार हो जाता है। प्रोटीन और आयरन की मात्रा बार्नयार्ड में अन्य अनाज से ज्यादा है। इसके सेवन से खून की कमी दूर होती है। शरीर मजबूत बनता है। मधुमेह, कैंसर में खाने लायक यह अनाज है। इसके सेवन से शरीर के अंदरूनी अंगों को ताकत मिलती है। यह बच्चों और गर्भवती महिलाओं के लिए भी सुरक्षित है। इसे भिगोकर खिचड़ी, डोसा, इडली, उपमा आदि बनाया जा सकता है।

**कुटकी :** कुटकी भी एक पॉलिटिव मिलेट है। इसे बहुत आसानी से उगाया जा सकता है। इसे उगाने के लिए न ज्यादा गर्मी और न ज्यादा सर्दी की आवश्यकता होती है। यह प्रोटीन, फाइबर और आयरन का बहुत बढ़िया स्त्रोत है।

कुटकी के सेवन से मधुमेह को नियंत्रित किया जा सकता है। यह हदय के लिए भी अच्छा अनाज है। माइग्रेन में इसके सेवन से आराम मिलता है। यह एसिडिटी, खट्टा डकार जैसी समस्या से छुटकारा दिलाता हे। इसे हार्मोन सक संतुलन बनाये रखने के लिए अच्छा बताया जाता है। इसके सेवन से पुरूष और महिलाओं दोनों के प्रजन्न तंत्र स्वस्थ होते हैं।

**राजगिरा :** आमतौर पर राजगिरा का इस्तेमाल व्रत और उपवास में फलाहार के रूप में करते है, लेकिन वजन घटाने के इसके फायदें के बारे में लोगों को कम जानकारी है। यह फाइबर, मैग्रीशियम, प्रोटीन, फास्फोरस और आयरन से भरपूर है।

राजगिरा में मैंगनीज अच्छी मात्रा में पाया जाता हे। दिन में एक बार इसका सेवन ही आपकी दैनिक पोषक तत्वों की जरूरत को पूरा करने के लिए काफी है। यह ट्रेस मिनरल मस्तिष्क के काम में सुधार कर न्यूरोलॉजिकल स्थितियों से बचाने के लिए बहुत अच्छा है। इसमें मौजूद प्रोटीन और फाइबर की मात्रा मांसपेशियों के निर्माण और पाचन स्वास्थ्य को बनाए रखने में मदद करती है।

# ग्रीष्मकालीन मूंग एक–फायदे अनेक

मूंग एक बहुगुण सम्पन्न ग्रीष्मकालीन व खरीफ मौसम की अर्धशुष्क क्षेत्रों के लिए महत्वपूर्ण दलहनी फसल है। भोजन के आवश्यक पोषक तत्वों में प्रोटीन की कमी को दूर करने के लिए मूंग एक सबसे सस्ता साधन है। इसके दाने में 24–26 प्रतिशत तक प्रोटीन पायी जाती है। हरियाणा में इस फसल की खेती बहुत ही कम क्षेत्र में की जाती है। इस फसल की औसत उपज बहुत कम है ,क्योंकि यह फसल कम उपजाऊ जमीन में बोई जाती रही है। रबी फसलों की कटाई व खरीफ फसलों की बुवाई के बीच में 2–3 महीनों तक खेत खाली रहते है। आजकल किसान भाइयों ने ग्रीष्मकाल में फसलें लेना शुरू कर दिया है। वैज्ञानिकों द्वारा इस फसल में कम समय में पकने वाली अनेक उन्नतशील किस्में विकसित की जा चुकी हैं। इन किस्मों को रबी की फसलों जैसे गेहूँ व दक्षिण हरियाणा में सरसों की कटाई के बाद सफलतापूर्वक उगाया जा सकता है। ग्रीष्मकालीन मूंग की काश्त के अनेक लाभ हैं, जैसे भूमि की उपजाऊ शक्ति में बढ़ोतरी, खाली समय में खेतों का सदुपयोग, पानी का समुचित उपयोग, फसल लागत में कमी व आमदनी में बढ़ोतरी इत्यादि। वर्तमान किस्मों के साथ यदि खेती की उन्नतशील तकनीकों को अपनाया जाये तो इस फसल की पैदावार को काफी हद तक बढ़ाया जा सकता है।

## उन्नतशील किस्में

उन्नत किस्म के बीज का चयन इस फसल की उपज का मुख्य आधार है। इसकी उन्नत किस्में एम. एच. 421, एम. एच. 318, एम. एच. 1142 व एम. एच. 1762 हैं। इन किस्मों में से एम. एच. 421 व एम. एच. 318 को ग्रीष्म व खरीफ दोनों में उगाया जा सकता है।

## मिट्टी व खेत की तैयारी

मूंग की फसल अति क्षारीय, लवणीय एवं अम्लीय मृदाओं को छोड़कर सभी प्रकार की मिट्टी में उगाई जा सकती है। भुर–भुरी दोमट से लेकर बलुई दुमट मिट्टी जिसमें जल निकास अच्छा हो तथा मृदा का पी. एच. मान 6.0–7.5 हो अधिक उपयुक्त पाई गई है। खेत की जुताई मिट्टी पलटनें वाले हल से करें ताकि भूमि में रहने वाले हानिकारक कीट, जीवाणु एवं अन्य जन्तुओं की रोकथाम की जा सके। खेत की दोहरी जुताई करके सुहागा लगाकर अच्छी तरह तैयार करें ताकि खेत में खरपतवार व ढ़ेले न रहें।

## बीज की मात्रा, बिजाई की विधि व समय

एक एकड़ की बिजाई के लिये 10–12 किलोग्राम बीज पर्याप्त रहता है, क्योंकि ग्रीष्मकाल की बिजाई में फसल की बढ़वार कम होती है तथा पौधे मरने की सम्भावना ज्यादा रहती है। इसलिये बीज की मात्रा खरीफ की बिजाई की तुलना में ज्यादा डालनी चाहिये। बिजाई खूड़ों में 20–25 से०मी० तथा पौधों में 7–10 से०मी० फासलों पर करनी हिये। इस फसल की बिजाई के लिये मार्च का महीना अत्यंत उपयुक्त है, लेकिन यदि किसी कारणवश बिजाई नहीं हो पाती है तो अप्रैल के प्रथम पखवाड़े में भी इसकी बिजाई की जा सकती है। पछेती बिजाई करने पर अधिक तापमान व मानसून की बारिश के कारण फसल की पैदावार पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है।

## बीज का उपचार/टीकाकरण

अन्य दलहनी फसलों की भांति मूंग के बीज को राइजोबियम कल्चर से उपचारित करना चाहिए। राइजोबियम कल्चर से बीज को उपचारित करना अच्छी उपज प्राप्त करने में सहायक होता है। एक खाली बाल्टी में 2 कप पानी में 50 ग्राम गुड़ का घोल बनाएं। गुड़ के घोल को एक एकड़ के बीज पर डालें और उपर से राइजोबियम का टीका छिड़कें, बीजों को अच्छी तरह मिलाकर बिजाई से पहले छाया में सुखा लें। फास्फोरस सालूब्लाइजिंग बैक्टीरिया (पी. एस. बी.) कल्चर से बीजोउपचार करने से फसल के लिए भूमि में उलब्ध फास्फोरस की मात्रा बढ़ जाती है। राइजोबियम कल्चर की भांति पी. एस. बी. कल्चर से भी बीज को उपचारित किया जा सकता है।

## खाद की मात्रा व देने का समय

अच्छी पैदावार के लिए खाद खादों का प्रयोग मिट्टी परीक्षण के आधार पर करें। साधारण दशा में 8 किलोग्राम नत्रजन (17.5 कि.ग्रा. यूरिया) तथा 16 किलोग्राम फास्फोरस (100 कि.ग्रा. सिंगल सुपर फास्फेट) प्रति एकड़ बिजाई से पहले या बिजाई के समय ड्रिल करें। निम्न व मध्यम पोटाश स्तर वाली जमीन में 8 कि. ग्रा. पोटाश (14 कि.ग्रा. म्यूरेट ऑफ पोटाश 60 प्रतिशत) प्रति एकड़ की दर से बिजाई के समय डालें।

## खरपतवार नियंन्त्रण

अच्छी उपज प्राप्त करने के लिए फसल की निराई–गुड़ाई करना अति आवश्यक है। खरपतवार फसल के पोषक तत्व, नमी व प्रकाश के लिए प्रतिस्पर्धा करते हैं जिससे पैदावार पर विपरीत

सत्यजीत, महक नागोरा एवं नवीश कुमार कम्बोज
चौ. चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, क्षेत्रीय अनुसंधान केन्द्र, बावल

# ग्रीश्मकालीन मूंग (किस्म एम. एच. 421)

असर पड़ता है। इसलिए फसल में निराई–गुड़ाई द्वारा खरपतवारों के नियन्त्रण के लिए एक गुड़ाई बिजाई के 20–25 दिन बाद अवष्य करें। आवश्यकता पड़ने पर दूसरी निराई 35–40 दिन की अवस्था पर करें।

## हानिकारक कीड़े

इस फसल को बालों वाली सुण्डी, पत्ता छेदक (फली बीटल) हरा तेला, व सफेद मक्खी हानि पहुंचाते हैं। बालों वाली सुण्डी व फली बीटल की रोकथाम के लिए रबी फसलों की कटाई के बाद खेतों की गहरी जुताई करें जिससे बालों वाली सूण्डियों के प्यूपे बाहर आ जाते हैं और पक्षियों द्वारा व अन्य कारणों से नष्ट हो जाते हैं। खेतों के आसपास खरपतवारों को न रहने दें क्योंकि ये कीड़े उन पर अण्ड़े देते हैं। बड़ी सूण्डियों की रोकथाम के लिए 250 मि.ली. मोनोक्रोटोफास 36 एस.एल. या 500 मि.ली. क्विनलफास 25 ई.सी. को 250 लीटर पानी में मिलाकर प्रति एकड़ छिड़कें। हरा तेला व सफेद मक्खी की रोकथाम के लिए 400 मि.ली. मैलाथियान 50 ई.सी. या 250 मि.ली. डाइमेथोएट (रोगोर) 30 ई.सी. या 250 मि.ली. आक्सीडेमेटान मिथाइल (मैटासिस्टाक्स) 25 ई.सी. का 250 लीटर पानी में मिलाकर 2–3 हफ्ते के अन्तर पर प्रति एकड़ छिड़काव करें।

## मुख्य बिमारियां

### पीला मोजैक

सफेद मक्खी इस रोक के वाहक के रूप में इसके वायरस को एक स्थान से दूसरे स्थान पर लेकर जाती है। शुरू में यह नई पत्तियों पर दिखाई देती है। सफेद मक्खी की संख्या में बढ़ोतरी, इस रोग को फैलाने में सहायक होती है। इसके नियन्त्रण के लिए फसल उगाने के 20–25 दिनों बाद 250 मि.ली. डाइमेथोएट (रोगोर) 30 ई.सी. या 250 मि.ली. आक्सीडेमेटान मिथाइल (मैटासिस्टाक्स) 25 ई.सी. या 250 मि.ली. फार्मोथियान (एन्थियों) 25 ई.सी. का 250 लीटर पानी में मिलाकर प्रति एकड़ 15 दिनों के अन्तराल में दो बार छिड़काव करें। रोगी पोधे दिखाई देने पर उन रोगी पोधों को उखाड़कर नस्ट कर दें ताकि यह रोग आगे न फैलने पाए।

### जड़ गलन

इस बिमारी के कारण पौधे पीले पड़ जाते हैं और छोटे हो जाते हैं। जड़ें गल जाती हैं तथा पौधे नष्ट हो जाते हैं। रोग के नियन्त्रण्ा के लिए बीज को 2 ग्राम कार्बेन्डाजिम (बैवीस्टिन) या 4 ग्राम थाईरम द्वारा प्रति कि.ग्रा. बीज की दर से उपचारित करें।

## कटाई व गहाई

जब फसल की पत्तियां पीली पड़ जाऐं और फलियों का रंग गहरा भूरा हो जाये तो फसल की कटाई कर लेनी चाहिए। आमतौर पर यह अवस्था बिजाई के 65–70 दिन बाद आ जाती हे। जब फलियां 90 प्रतिशत पक जाएं तो उनको तुड़वा लेना चाहिए। कटाई के बाद फसल को 3–5 दिन के लिए धूप में सुखाएं तथा फसल के पूर्ण सूखने पर ही गहाई करें। अच्छी प्रकार सुखाने के बाद दानों को नमी रहित स्थाान पर भंडारण करें।

OFFICE OF PRINCIPAL, CENTRE OF COOPERATIVE MANAGEMENT,
OLD CHARA MANDI, KACHCHA BERI ROAD, ROHTAK.
Phone No. 01262-236275, E-mail pccmrtk@yahoo.com

Urgent/Date Bound

To

All Deputy Registrars, Cooperative Societies in Haryana.
All Assistant Registrars, Cooperative Societies in Haryana.
All Audit Officers, Cooperative Societies in Haryana.

No. TC/CCM/Dated

Subject: 57th Session of Diploma in Cooperative Management (DCM) from 04.07.2025 to 20.11.2025 (twenty weeks) at CCM Rohtak.

Memo

Your Kind attention is invited on the subject captioned above. Diploma in Cooperative Management (DCM) for 20 weeks is scheduled from 04.07.2025 to 20.11.2025 in the premises of Centre of Cooperative Management Haryana Rohtak. This is a regular programme conducted by CCM with an objective to enhance skills in personnel of Cooperative Societies as well as Cooperative Department. The institution has hostel capacity of 40 candidates in present conditions. In this regard, it is advised to sent at least 2-3 employees of Primary Agriculture Cooperative Societies (PACS), Primary Credit Cooperative Societies (PCCS) and other Primary Cooperative Societies in your jurisdiction to attend the course. The nomination will be sent to us on e-mail pccmrtk@yahoo.com or through postal services up to 03-07-2025. For further details/information you may contact course coordinator/office at this no. 01262-236275. As per guideline, you are requested to communicate to all participants (un- trained) to carry a photocopy of their Adhar card, education qualification documents as per requirement three passport size photos, fee/contribution prescribed for the above diploma course i.e. Rs 2000/per employee which is to be paid by the concerned cooperative society at the time of admission.

It is further intimated that as per Rule 9 (2) of service rules of society PACS/PCCS Employees rules 2017 every direct and promoted Prabandhak, Clerk-cum Cashier and Salesman shall have to qualify Higher Diploma in Cooperative Management or Junior Basic Course of any CCM within two years (if not already qualified). So please do needful in this regard. Therefore you are requested to send the nominations of participants with in stipulated time and admission subject to consent of Principal CCM Rohtak. It is for Information & necessary compliance please.

Sd/-
(Satish Kumar)
Principal
Centre of Cooperative Management
Rohtak

# 'पुकार'

मैं माटी कश्मीर की,
कबसे करूँ पुकार..!
आ जाओ ले चलो मुझे,
रही मैं राह निहार..!!

चीन मेरे बाल नोच रहा,
और पाक ने दाएं दबोचा है.!
सोचती रहती हूँ कि तुमने,
क्या मेरे बारे सोचा है..!!

ये पाकिस्तानी तो कब से,
मुझ पर डेरा डाले हैं..!
तुमने भी देखो ना मुझको,
नसीब के किया हवाले है..!!

बीच से ही सीने के मेरे ,
खींच दी एक लकीर है.!
मेरे वक्ष पर आतंक पलता
क्या फूटी तकदीर है..!!

बस यही माला जपती थी मैं,
कि एक रोज तुम आओगे..!
दुष्ट पाक को मेरे मस्तक से,
तुम आकर दूर भगाओगे..!!

सुनी राम ने विनती मेरी,
तुमने मुख इस ओर किया.!
रणघोष कर डाला तुमने,
मेरी हालत पर गौर किया.!!,

पदचाप तुम्हारी सुनते ही,
कई दिनों में मैं मुस्काई फिर.!
सोचा कैद से निकल जाऊँगी.,
खुशी से आँखें भर आई फिर..!!

पर तू सहसा राही से लौट गया,
क्या ऐसी मजबूरी थी..!
मेरी रिहाई से तो तेरी,
तनिक भी ना दूरी थी..!!

कदम तेरे क्यों ठिठक गए,
सदमा मुझको ये गहरा है..!
मेरे दिल मे तो दिल्ली है सदा,
पर ये इस्लामाबाद का पहरा है..!!

कह दी वेद ने मेरी पीड़ा ,
सुन बन रहा क्यों बहरा है..!
सह रहा है कैसे दर्द मेरा,
क्यों अब भी तू ठहरा है..!!

क्यों अब भी तू ठहरा है..!!

जय हिंद --जय भारत

शब्दः
वेद व्रत लिपिक
कार्यालय सहायक रजिस्ट्रार
सहकारी समितियाँ रेवाड़ी

SAHKAR SE SAMRIDDHI
Aatmanirbhar Bharat, Aatmanirbhar Krishi
IFFCO
Wholly owned by Cooperatives
IFFCO NANO UREA Plus
and
IFFCO NANO DAP
Promises
More Yield And More Profit
World's First Nano Fertilizer by IFFCO
500 ML Bottle ₹225/- only
Contains 20% NITROGEN
FREE ACCIDENT INSURANCE
IFFCO Nano UREA Plus Liquid
IFFCO NANO UREA PLUS
IFFCO NANO DAP LIQUID (0:18:0)
500 ML Bottle ₹600/- only
IFFCO Nano DAP Liquid
IFFCO
INDIAN FARMERS FERTILISER COOPERATIVE LIMITED
IFFCO Sadan, C-1 District Centre, Saket Place, New Delhi – 110017, INDIA
Phones: 91-11-26510001, 91-11-42592626. Website: www.iffco.coop

हरियाणा निवास, चंडीगढ़ में उच्च अधिकार प्राप्त खरीद समिति की बैठक की अध्यक्षता करते हुए माननीय मुख्यमंत्री, हरियाणा श्री नायब सिंह सैनी। साथ में मंत्रीगण एवं वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारीगण।

रोहतक के पहरावर गांव में आयोजित राज्य स्तरीय भगवान परशुराम जंयती के अवसर पर मंच से अपना सम्बोधन देते सहकारिता, जेल, विरासत, निर्वाचन एवं पर्यटन मंत्री, हरियाणा डॉ अरविन्द कुमार शर्मा।

हरियाणा राज्य सहकारी विकास फैडरेशन की ओर से सौरव शर्मा संपादक द्वारा हरियाणा सहकारी प्रैस 165–166, इंडस्ट्रियल एरिया, फेस–1, चण्डीगढ़ से मुद्रित व प्रकाशित तथा कार्यालय बेज नं. 49–52, प्रथम तल, सेक्टर–2, पंचकूला ।
दूरभाष : 0172–2560340, 2560332 हरकोप्रैस : 0172–2637264